अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2024–25

कक्षा – द्वादश

विषय : सामान्य हिन्दी

निर्धारित समय : 3:15 घण्टे | पूर्णांक : 100

सामान्य निर्देश :

1. प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर खण्डों के क्रमानुसार ही करिए।
2. कृपया जांच लें प्रश्न पत्र में प्रश्नों की कुल संख्या 14 तथा मुद्रित पृष्ठों की संख्या 06 है। कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखिए।
3. घण्टी का प्रथम संकेत प्रश्न पत्रों के वितरण एवं प्रश्न पत्र को पढ़ने के लिए है। 15 मिनट के पश्चात घण्टी के द्वितीय संकेत पर प्रश्न पत्र हल करना प्रारम्भ करिए।

1. क. 'सेवासदन' मुंशी प्रेमचन्द जी की रचना की विधा है– (1)
   1. कहानी 2. जीवनी 3. उपन्यास 4. निबन्ध

   ख. 'पृथ्वीराज की आंखें' नाटक संग्रह के लेखक हैं– (1)
   1. सेठ गोविन्द दास 2. डॉ. राम कुमार वर्मा
   3. भुवनेश्वर 4. वृन्दावनलाल वर्मा

   ग. निम्नलिखित में उपन्यास नहीं है– (1)
   1. रूठी रानी 2. नूतन ब्रह्मचारी 3. चन्द्रगुप्त 4. लवंगलता

   घ. शुक्ल युग को अन्य किस नाम से जाना जाता है– (1)
   1. स्वर्ण युग 2. प्रयोगवादी युग 3. प्रगतिवाद 4. छायावादी युग

   ङ. हिन्दी एकांकी के जनक माने जाते हैं– (1)
   1. डॉ. रामकुमार वर्मा 2. उदयशंकर भट्ट
   3. शिवानी 4. प्रेमचन्द

2. क. भक्तिकाल के कवि नहीं हैं– (1)
   1. मलूकदास 2. सूरदास 3. तुलसीदास 4. केशवदास

   ख. निम्नलिखित में से भक्तिकाल का महाकाव्य है– (1)
   1. साकेत 2. रामचरितमानस 3. कामायनी 4. पृथ्वीराज रासो

ग. निम्नलिखित में से प्रयोगवादी कवि हैं– (1)

1. भूषण 2. सुमित्रानन्दन पंत 3. बिहारी 4. अज्ञेय

घ. निम्नांकित में वीरगाथाकाल में लिखित कौन सी रचना है– (1)

1. रस विलास 2. ललित ललाम
3. कवित्त रत्नाकर 4. सन्देश रासक

ङ. निम्नलिखित में से सगुण भक्ति शाखा के कवि नहीं हैं– (1)

1. सूरदास 2. जायसी 3. तुलसीदास 4. मीराबाई

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (5x2=10)

पूर्वजों ने चरित्र और धर्म विज्ञान साहित्य कला और संस्कृति के क्षेत्र में जो कुछ भी पराक्रम किया है, उस सारे विस्तार को हम गौरव के साथ धारण करते हैं और उसके तेज को अपने भावी जीवन में साक्षात् देखना चाहते हैं। यही राष्ट्रसंवर्धन का स्वाभाविक प्रकार है। जहां अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नहीं है, जहां भूत, वर्तमान को जकड़ नहीं रखना चाहता वरन् अपने वरदान से पुष्ट करके उसे आगे बढ़ाना चाहता है उस राष्ट्र का हम स्वागत करते हैं।

क. उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ख. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

ग. हमारे पूर्वजों ने संस्कृति के किन क्षेत्रों में अपना पराक्रम दर्शाया है?

घ. हम अपने भावी जीवन में साकार होता हुआ किसे देखना चाहते हैं?

ङ. राष्ट्र के विकास का स्वाभाविक ढंग क्या है?

अथवा

आज जिसे हम बहुमूल्य संस्कृति मान रहे हैं, वह क्या ऐसी ही बनी रहेगी? सम्राटों–सामन्तों ने जिस आचार निष्ठा को इतना मोहक और मादक रूप दिया था वह लुप्त हो गई, धर्माचार्यों ने जिस ज्ञान और वैराग्य को इतना महार्घ समझा था वह लुप्त हो गया, मध्ययुग के मुसलमान रईसों के अनुकरण पर जो रस राशि उमड़ी थी, वह वाष्प की भांति उड़ गई, क्या यह मध्ययुग के कंकाल में लिखा हुआ व्यावसायिक युग का कमल ऐसा ही बना रहेगा? महाकाल के प्रत्येक पदाघात में धरती धसकेगी। उसके कुंठ नृत्य की प्रत्येक चारिका कुछ न कुछ लपेटकर ले जाएगी। सब बदलेगा, सब विकृत होगा– सब नवीन बनेगा।

क. उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ख. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

ग. हम आज की संस्कृति को बहुमूल्य क्यों मान रहे हैं?

घ. प्रस्तुत गद्यांश में किसके लुप्त होने की बात कही गई है?

ङ. धर्माचार्यों ने जिस ज्ञान को इतना मूल्यवान समझा था वर्तमान में उसकी क्या दशा हुई?

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (5x2=10)

यदि मैं उकसाई गई भरत से होऊं
तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊं
ठहरो, मत रोंको मुझे कहूं सो सुन लो
पाओ यदि उसमे सार उसे सब चुन लो।
करके पहाड़ सा पाप मौन रह जाऊं?
राई भर भी अनुताप न करने पाऊं?

क. उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
ख. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
ग. इन पंक्तियों को किस प्रसंगवश कहा गया है?
घ. राम ने किस माता को सौ बार धन्यवाद देने के योग्य समझा?
ङ. जन समुदाय ने चिल्लाकर क्या कहा?

अथवा

कौन हो तुम वसंत के दूत
बिरस पतझड़ में अति सुकुमार,
घन तिमिर में चपला की रेख
तपन में शीतल मंद बयार!

क. उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
ख. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
ग. इस पद्यांश में कौन किससे प्रश्न कर रहा है?
घ. बादलों के मध्य में चपला किसे बताया है?
ङ. इन पंक्तियों में किस रस का प्रयोग हुआ है?

5. क. निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय रचनाओं सहित लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) (3+2=5)

1. वासुदेवशरण अग्रवाल 2. कन्हैयालाल मिश्र "प्रभाकर"
3. डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

ख. निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय उनकी कृतियों सहित लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) (3+2=5)

1. मैथिलीशरण गुप्त 2. जयशंकर प्रसाद 3. सुमित्रानन्दन पन्त

6. "ध्रुवयात्रा" अथवा "पंचलाइट" कहानी के उद्देश्य को अपने शब्दों में लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) (5)

अथवा

"पंचलाइट" कहानी की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए। (अधिकतम 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए– (5)
प्रमुख पात्र की चारित्रिक कोई 4 विशेषताएं लिखिए।

अथवा

खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

8. क. दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए। (7)

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणंच सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये–पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम् अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यं च वर्तते। किं बहुना चरित्र निर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीं किंचिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीय गुणानां यादृशीं विवेचना संस्कृत साहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी। दया, दानं, शौचम्, औदार्यम् अनसूया, क्षमा अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन् संजायन्ते।

अथवा

अतीते प्रथम कल्पे चतुष्पदाः सिंहं राजानमकुर्वन्। मत्स्या आनन्दमत्स्यं, शकुनयः सुवर्णहंसम्। तस्य पुनः सुवर्णराजहंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत्। स तस्यै वरमदात् यत् सा आत्मनश्चित्तरूचितं स्वामिन वृणुयात् इति। हंसराजः तस्यै वरं दत्वा हिमवति शकुनिसंघे संन्यपतत। नाना प्रकाराः हंसमयूरादयः शकुनिगणाः समागत्य एकस्मिन् महति पाषाणतले संन्यपतन्।

ख. दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए– (2+5=7)

न में रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम्।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति।।

अथवा

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती।
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम्।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए– (1+1=2)

क. घोड़े बेंचकर सोना ख. मुट्ठी गर्म करना
ग. घर का न घाट का घ. एक पंथ दो काज

10. अपठित गद्यांश / पद्यांश में से किसी एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

प्राचीन भारत अनेक राज्यों में विभक्त था। राजागण स्वेच्छाचारी न थे

मन्त्रि परिषद के परामर्श से कार्य करते हुए प्रजा की सुख–समृद्धि के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहते थे। राजदरबार से हजारों लोगों की आजीविका चलती थी। अनेक उद्योग धन्धे फलते–फूलते थे। प्राचीन भारत में यद्यपि बड़े–बड़े नगर भी थे, पर प्रधानता ग्रामों की ही थी। ग्रामों में कृषि योग्य भूमि का अभाव न था। सिंचाई की समुचित व्यवस्था थी। फलतः भूमि सच्चे अर्थों में शस्यश्यामला थी।

क. प्राचीन भारत में राजा किसके परामर्श से राज्य कार्य का संचालन करते थे ? 1

ख. "समृद्धि" शब्द का विलोम लिखिए। 2

ग. "शस्यश्यामला" शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? 2

अथवा

ज्यों निकल कर बादलों की गोद से, थी अभी एक बूंद कुछ आगे बढ़ी।
सोंचने फिर–फिर यही मन में लगी, आह क्यों घर छोड़कर मैं यों बढ़ी।
दैव मेरे भाग्य में है क्या बदा, मैं बचूंगी या मिलूंगी धूल में।
या जलूंगी गिर अंगारे पर किसी, चू पड़ूंगी या कमल के फूल में।।

क. बादलों की गोद से अचानक कौन निकली? 1

ख. बादलों की गोद से निकलकर वह क्या सोंचने लगी? 2

ग. "धूल" शब्द का एक समानार्थी शब्द लिखिए। 2

क. निम्नलिखित शब्द युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए–

1. धरा–धारा (1)

अ. पृथ्वी और जल का प्रवाह ब. पृथ्वी और आकाश
स. आकाश और पाताल द. सूर्य और चन्द्रमा

2. कुल–कूल (1)

अ. वंश और किनारा ब. सब और आवाज
स. ध्वनि और शीतल द. वंश और शीतल

ख. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए– (1+2=2)

1. मधु 2. योग 3. हर

ग. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही "शब्द" चयन करके लिखिए।

1. पैरों से जल पीने वाला (1)

अ. पददलित ब. पादप स. पदत्राण द. पादस्पर्शी

2. जो सामान्य नियम के विरुद्ध हो– (1)

अ. अनियम ब. अपवाद स. विनियम द. सनियम

घ. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए– (1+1=2)

1. भगत सिंह का देश सदा आभारी रहेगा।

2. दो–दो चार होता है।
3. सम्मेलन में कवित्री ने भाग लिया।
4. फलो–फूलो

12. क. श्रृंगार रस अथवा हास्य रस की उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए। (1+1=2)

ख. यमक अथवा उत्प्रेक्षा अलंकार को सोदाहरण परिभाषित कीजिए। (1+1=2)

ग. दोहा अथवा सोरठा छन्द को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए। (1+1=2)

13. नगर निगम अध्यक्ष अथवा ग्राम प्रधान को अपनी बस्ती की गन्दगी की स्वच्छता के सन्दर्भ में शिकायत पत्र लिखिए। (6)

अथवा

अपनी प्रिय पुस्तक मंगाने के लिए प्रकाशक को पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए– (2+7=9)

क. देशाटन से लाभ
ख. खेलकूद का महत्व
ग. वृक्षारोपण की उपयोगिता
घ. नई शिक्षा–नीति